भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5181

सोमवार, 4 अप्रैल, 2022/14 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर-पूर्व क्षेत्र और हरियाणा में पर्यटन स्थलों की पहचान

5181. श्री रमेश चन्द्र कौशिकः

श्री दिलीप शइकीयाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम और हरियाणा सहित उत्तर-पूर्व राज्यों में पर्यटन स्थलों के रूप में चिह्नित किए गए स्थानों और उन स्थानों की संख्या क्या है जो पर्यटन स्थलों की सूची में शामिल किए जाने के लिए प्रस्तावित है तथा तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उक्त स्थलों के विकास के लिए सरकार द्वारा कितनी धनराशि आबंटित की गई है;

(ग) सरकार द्वारा आबंटित धनराशि में से उपयोग की गई और शेष धनराशि का परियोजना-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त परियोजनाओं में से कितनी परियोजनाओं को पूरा किया गया है और तत्संबंधी स्थान-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय अधिकाधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अपने मीडिया अभियानों, वेबसाइटों, रोड शो, सोशल मीडिया प्रचारों, और देखो अपना देश पहल के माध्यम से असम, हरियाणा और पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश के सभी पर्यटन स्थलों का संवर्द्धन करता है। पर्यटन मंत्रालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन के विकास और संपर्कता संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दिनांक 13 और 14 सितंबर, 2021 को गुवाहाटी, असम में पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन और संस्कृति मंत्रियों की एक बैठक भी आयोजित की थी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए 27 से 29 नंवबर, 2021 तक कोहिमा, नागालैंड में एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मेले का भी आयोजन किया गया था।

पर्यटन मंत्रालय ने देखो अपना देश के तहत एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के साथ एक आजादी का अमृत महोत्सव वेबिनार श्रंखला का आयोजन किया। वेबिनार श्रृंखला

का लक्ष्य मूल रूप से विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों को शामिल करना है। उक्त श्रंखला उत्तर पूर्वी राज्यों पर आधारित थी और मुख्य रूप से त्रिपुरा राज्य पर केन्द्रित थी। महत्वपूर्ण पर्यटन क्षमता वाले क्षेत्रों जैसे कि ऐतिहासिक पर्यटन, ईको पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, जातीय पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, समुदाय आधारित पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन प्रकृति को कवर किया गया था। सत्र में कवर किए गए त्रिपुरा के पर्यटन स्थलों में उनाकोटी, चबीमुरा, जामतुई हिल्स, नारद पारा झील, नीर महल, रुद्र सागर झील, डंबूर झील, अगरतला, आदि शामिल थे।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' और तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवृद्धन अभियान (प्रशाद)' पर 'राष्ट्रीय मिशन योजना जो कि जनवरी 2015 में आरम्भ की गई थी, के तहत पर्यटन से संबंधित अवसंरचना विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित थीमों में 'पूर्वोत्तर परिपथ' की एक थीम के रूप में पहचान की गई है ।

आवंटित निधियों, उपयोग की गई निधियों और पूर्ण की गई परियोजनाओं का राज्य-वार, वर्ष-वार विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

उत्तर-पूर्व क्षेत्र और हरियाणा में पर्यटन स्थलों की पहचान के सम्बन्ध में दिनांक 04.04.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 5181 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

<u>प्रशाद योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की सूची</u>

(करोड़ रु में)

क्र. सं.	**राज्य/ वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत निधि**	**प्रयुक्त निधि**	**पूर्ण**
1.	असम 2015-16	गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर और इसके आस-पास तीर्थ गंतव्य का विकास	29.80	29.80	100%
2.	अरुणाचल प्रदेश 2020-21	लोहित जिले में परशुराम कुंड का विकास	37.88	7.34	
3.	मेघालय 2020-21	मेघालय में तीर्थस्थल सुविधाओं का विकास	29.32	8.80	
4.	नागालैंड 2018-19	नागालैंड में तीर्थस्थल अवसंरचना का विकास	25.26	20.06	
5.	सिक्किम 2020-21	युकसोम में चार संरक्षक संतों पर तीर्थ सुविधा का विकास	33.32	18.50	
6.	त्रिपुरा 2020-21	त्रिपुरा सुन्दरी मंदिर, उदयपुर का विकास	37.84	10.59	
7.	हरियाणा 2019-20	पंचकुला जिले में नाडा साहेब गुरुद्वारा और माता मनसा देवी मंदिर का विकास	49.52	28.77	

<u>स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की सूची</u>

(करोड़ रु में)

क्र. सं.	**राज्य**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत निधि**	**प्रयुक्त निधि**	**पूर्ण**
1.	अरुणाचल प्रदेश	2014-15	भालुकपोंग-बोमडिला और तवांग में मेगा परिपथ का विकास	49.77	39.81	100%
		2015-16	नफरा-सेप्पां- पप्पू- पासा- पक्के घाटी-संगडुपोट - न्यू सागले, जीरो, योमचा का	96.72	84.24	100%

			विकास			
2.	असम	2015-16	मानस-पोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-साइखोवा का विकास	94.68	89.94	100%
		2016-17	तेजपुर - माजुली -शिवसागर का विकास	90.98	72.78	74%
3.	मणिपुर	2015-16	मणिपुर: इम्फाल-खोंगजोम में पर्यटक परिपथ का विकास	72.23	61.32	100%
		2016-17	श्री गोविन्दजी मंदिर, श्री बिजयगोविंदजी मंदिर - श्री गोपीनाथ मंदिर - श्री बंगशीबोदन मंदिर - श्री कैना मंदिर का विकास	53.8	43.04	100%
4.	मेघालय	2016-17	उमियाम (लेक व्यू), यूलुम सोहपेटबेंग – मावडियाँगडियाँग - आर्किड लेक रिज़ॉर्ट का विकास	99.13	94.14	100%
		2018-19	पश्चिम खासी पहाड़ियों (नोंगख्लाव-क्रैमटिरोट - खुडोई और कोहमंगफॉल्स - खारी नदी- मावतद्रिशान, शिलोन), जयंतिया हिल्स (क्रंगसुरी फॉल्स- शिरमांग –लूकसी), गारो हिल्स (नोकरेक रिजर्व,कट्टाबेल, सिजू गुफाएं) का विकास	84.97	45.98	63%
5.	मिजोरम	2015-16	थेंजवाल और साउथ ज़ोट, डिस्ट्रिक्ट्स सेरछिप तथा रीक का समेकित विकास	92.26	87.65	100%
		2016-17	एज़वाल -रावपुइछिप -कॉवफवप- लेंगपुई - डर्टलांग -चटलांग- सकरावुमटुआइट्लंग - मूथी - बेरतलॉन्ग -तुरियल एयरफ़ील्ड- मूईफांग में इको- एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37	49.53	44%
6.	नागालैंड	2015-16	पेरेन - कोहिमा- वोखा में जनजातीय परिपथ का विकास	97.36	92.49	100%
		2016-17	मोकोकचुंग - तुएनसांग-मोन का विकास	98.14	93.24	100%
7.	सिक्किम	2015-16	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग- अरितर-फड़मचेन-नाथांग-शेरथांग- त्सोंगमो-गंगटोक-फोडोंग- मंगन- लाचुंग-युमथांग-लाचेन – थांगू-गुरुडोंगमेर- -मंगन-गंगटोक- टुमिनलिंगी-सिंगटम (निकास) को	98.05	92.77	100%

			जोड़ने वाले परिपथ का विकास			
		2016-17	सिंगटम-माका-टेमी – बरमोइक टोकेल-फौंगिया- नामची- जोरथांग-ओखरे-सोमबरिया-दारमदीन- जोरथांग-मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32	85.18	100%
8.	त्रिपुरा	2015-16	अगरतला-सिपाहीजला-मेलाघर-उदयपुर-अमरपुर- तीर्थमुख- मंदिरघाट- डम्बूर-नारिकेलकुंजा- गंडचारा-अंबासा में उत्तर - पूर्वी परिपथ का विकास	82.85	68.58	80%
		2018-19	सूरमा चेरा- उनाकोटी- जम्पुई हिल्स-गुनाबाती-भुनानेश्वरी-माताबाड़ी - नीरमहल-बॉक्सानगर- चोताखोला- पिलक- अवंगचारा का विकास	65.00	10.1	11%
9.	हरियाणा	2016-17	कुरुक्षेत्र में महाभारत से संबंधित स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास।	97.35	77.88	73%

<u>केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की सूची</u>

(करोड़ रूपए में)

क्रं. सं.	**वर्ष**	**राज्य का नाम**	**परियोजनाओं का नाम**	**एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**	**निर्गत राशि**	**स्थिति**
1.	2012-13	हरियाणा	तिलयार झील में मल्टी मीडिया /लेज़र शो का क्रियान्वयन	आईटीडीसी	500.00	224.05	पूर्ण
2.	2017-18	हरियाणा	यादवेंद्र गार्डन, पिंजौर, हरियाणा में ध्वनि और प्रकाश शो	आईटीडीसी	600.00	300.00	शीघ्र पूरी होने वाली है
3.	2019-20	उत्तर प्रदेश/ असम/ पश्चिम बंगाल	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर नदी क्रूज के तटबंध के नौ मुख्य स्थलों पर पोतारोहण/अवरोहण के विकास के लिए	आई डब्ल्यू ए आई	2803.05	700.76	जारी

			केंद्रीय वित्तीय सहायता (वाराणसी और इलाहाबाद- I, इलाहाबाद- II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमाती, पांडु, जोगीघोपा और विश्वनाथघाट)				
4.	2020-21	मिजोरम	आइजोल, मिजोरम में कन्वेंशन सेंटर और संबद्ध अवसंरचना विकास	वैपकोस	3994.75	1570.71	जारी

****